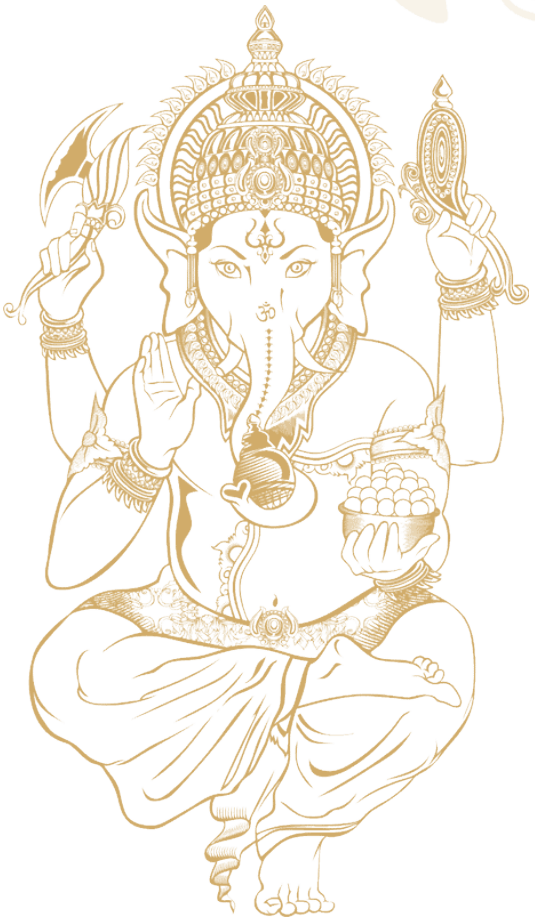

Jatin Maheshwari

24 Dec 1995

05:16 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121362905

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/12/1995**
दिन	रविवार
जन्म समय	**17:16:00 घंटे**
इष्ट	25:12:18 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:54:52 घंटे
वेलान्तर	00:00:43 घंटे
साम्पातिक काल	23:05:00 घंटे
सूर्योदय	07:11:04 घंटे
सूर्यास्त	17:29:57 घंटे
दिनमान	10:18:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	08:23:00 धनु
लग्न के अंश	06:09:18 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	व्याघात
करण	गर
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खी-खिलावन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	06:09:18	331:00:50	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			धनु	08:23:00	01:01:09	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मक	12:24:27	14:58:50	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	सम राशि
मंगल			धनु	24:31:39	00:46:32	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध			धनु	25:10:44	01:28:30	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
गुरु		अ	धनु	03:58:02	00:13:41	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	मूलत्रिकोण
शुक्र			मक	09:33:44	01:14:04	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
शनि			कुंभ	25:07:42	00:03:22	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	स्वराशि
राहु	व		तुला	00:01:25	00:09:36	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मित्र राशि
केतु	व		मेष	00:01:25	00:09:36	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	मित्र राशि
हर्ष			मक	05:07:56	00:03:15	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप			मक	00:36:10	00:02:08	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	07:53:20	00:02:08	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	21:15:48	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:10

लग्न-चलित

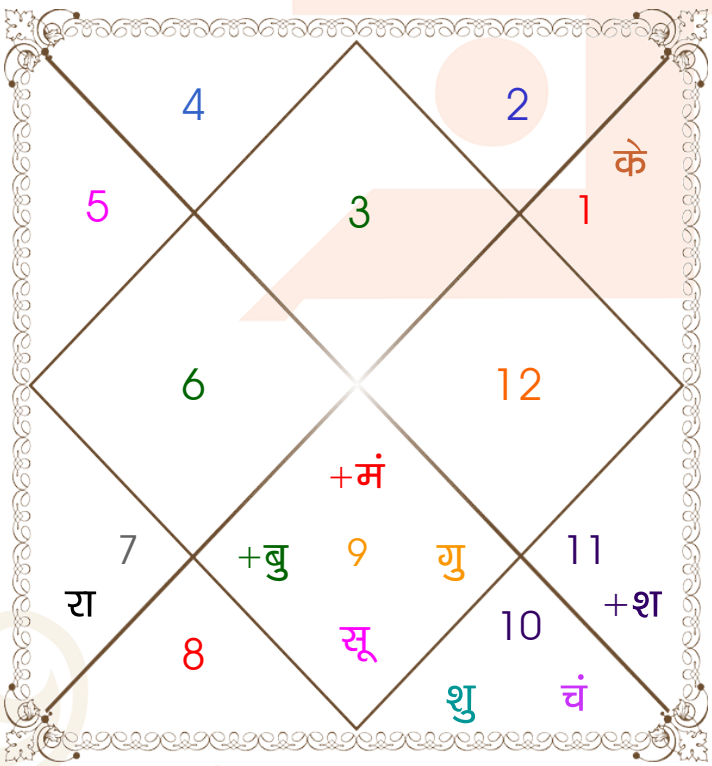

चन्द्र कुंडली

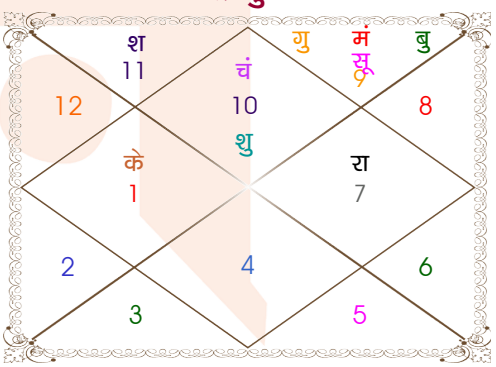

नवमांश कुंडली

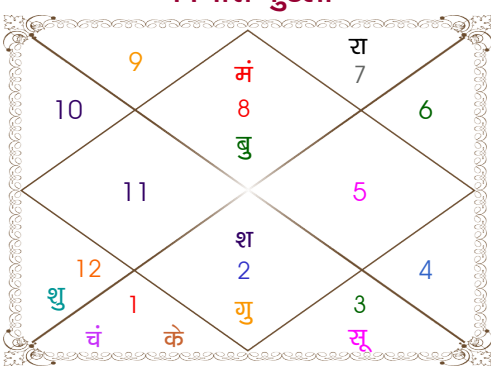

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 8 वर्ष 2 मास 10 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
24/12/1995		04/03/2004		05/03/2011		04/03/2029		04/03/2045	
04/03/2004		05/03/2011		04/03/2029		04/03/2045		04/03/2064	
	00/00/0000	मंगल	31/07/2004	राहु	15/11/2013	गुरु	23/04/2031	शनि	07/03/2048
	24/12/1995	राहु	19/08/2005	गुरु	10/04/2016	शनि	03/11/2033	बुध	15/11/2050
राहु	02/02/1997	गुरु	26/07/2006	शनि	15/02/2019	बुध	09/02/2036	केतु	25/12/2051
गुरु	04/06/1998	शनि	04/09/2007	बुध	03/09/2021	केतु	15/01/2037	शुक्र	24/02/2055
शनि	03/01/2000	बुध	31/08/2008	केतु	22/09/2022	शुक्र	16/09/2039	सूर्य	06/02/2056
बुध	04/06/2001	केतु	27/01/2009	शुक्र	21/09/2025	सूर्य	04/07/2040	चंद्र	06/09/2057
केतु	03/01/2002	शुक्र	29/03/2010	सूर्य	16/08/2026	चंद्र	03/11/2041	मंगल	16/10/2058
शुक्र	04/09/2003	सूर्य	04/08/2010	चंद्र	15/02/2028	मंगल	10/10/2042	राहु	22/08/2061
सूर्य	04/03/2004	चंद्र	05/03/2011	मंगल	04/03/2029	राहु	04/03/2045	गुरु	04/03/2064

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
04/03/2064		04/03/2081		04/03/2088		05/03/2108		06/03/2114	
04/03/2081		04/03/2088		05/03/2108		06/03/2114		00/00/0000	
बुध	01/08/2066	केतु	01/08/2081	शुक्र	05/07/2091	सूर्य	23/06/2108	चंद्र	04/01/2115
केतु	29/07/2067	शुक्र	01/10/2082	सूर्य	04/07/2092	चंद्र	22/12/2108	मंगल	05/08/2115
शुक्र	29/05/2070	सूर्य	06/02/2083	चंद्र	05/03/2094	मंगल	29/04/2109	राहु	25/12/2115
सूर्य	04/04/2071	चंद्र	07/09/2083	मंगल	05/05/2095	राहु	24/03/2110		00/00/0000
चंद्र	03/09/2072	मंगल	03/02/2084	राहु	05/05/2098	गुरु	10/01/2111		00/00/0000
मंगल	31/08/2073	राहु	20/02/2085	गुरु	04/01/2101	शनि	23/12/2111		00/00/0000
राहु	19/03/2076	गुरु	27/01/2086	शनि	05/03/2104	बुध	29/10/2112		00/00/0000
गुरु	25/06/2078	शनि	08/03/2087	बुध	04/01/2107	केतु	05/03/2113		00/00/0000
शनि	04/03/2081	बुध	04/03/2088	केतु	05/03/2108	शुक्र	06/03/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 2 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षतिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगे तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगे।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात शरीर से दुबले लंबे एवं आखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रूख रखतें हो। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपनी पत्नी के साथ विरोधात्मक रूख अपना लेते हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देते हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रोबिले कार्य कलाप से जीवन संगिनी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेते हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दों कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाते हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देते हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाते हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगे। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नही रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीला तथा अपव्ययकारी हो जाते हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करते हैं। आप असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नही कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं। इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकते हैं।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्रि का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नही पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नही होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नही मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं। अतः आप ऐसी सबक लेंकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा आप सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिकतें, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुऐंजा एवं श्वांसनली कि विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नही हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।